नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

'चरण दास चोर' नाटक का मंचन
प्रदर्शनकारी कला विभाग की प्रस्तुति

वर्धा, 6 मई 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में हबीब तनवीर द्वारा रचित कालजयी नाटक "चरण दास चोर" नाटक की प्रस्तुति प्रदर्शनकारी कला विभाग के बी. वोक. अभिनय एवं मंच विन्यास के द्वितीय छमाही के विद्यार्थियों द्वारा की गयी। नाटक का निर्माण एवं मार्गदर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश भारती ने

किया तथा निर्देशन सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरभि विप्लव ने किया। नाटक का सहनिर्देशन शैलेंद्र कुशवाहा ने किया। प्रस्तुति में विशेष सहयोग डॉ.सतीश पावड़े , चैतन्य आठले एवं डॉ .अश्विनी कुमार का था। नाटक में अभिनय करने वालों में बी. वोक द्वितीय छमाही के छात्र गोकुल राम, कमल कांत जांगड़े,जिगर चौधरी, विक्रम प्रताप सिंह, कमल किशोर,अमन,हर्षित,अजय राज,सारंग ,रचित ,श्वेता ,आशीष, हिमांशु ओझा, शिवम तिड़के शामिल थे। नाटक में वस्त्र विन्यास हर्षित मणि तथा रचित ने तथा दृश्य विन्यास एवं रूप सज्जा कमल किशोर ने किया, मंच सामग्री जिगर चौधरी ने किया तथा संगीत मंडली में शिव चरण शाहू,सौरभ कुमार ,रत्नेश शाहू तथा प्रकाश संयोजन शिव कुमार ने किया। प्रस्तुति सहयोग तकनीकी सहायक डॉ. हिमांशु नारायण, प्रगति मिरगे, उत्कर्ष, स्वराज ठाकुर,उमेश प्रजापतिका रहा। नाटक की विडियोग्राफी बी . वोक फिल्म निर्माण के छात्र रंजीत यादव तथा छायांकन अर्पित राज ने किया।निर्देशक डॉ. सुरभि के अनुसार "यह नाटक वर्ण व्यवस्था के साथ राजनीतिक विसंगतियों को भी दर्शाता है। चोर एक ऐसा चरित्र है जो अपने गुरु को चार प्रण देता है और उसे पूरा करने के लिए प्राण को न्यौछावर कर देता है। यह चोर इतना

ईमानदार है कि सदैव सच बोलता है। ” नाटक में छत्तीसगढ़ी लोक समाहित है इसलिए इसकी प्रस्तुति में लोक गीत

लोक नृत्य दिखाया गया है। यह पहली बार हुआ है कि हबीब तनवीर के दल (नया थियेटर) के अलावा किसी अन्य

संस्थान ने इस नाटक को प्रस्तुत किया, साथ ही महज 15 दिनों में सभी हिंदी भाषी छात्रों ने छत्तीसगढ़ी भाषा को सीखा और उसे उसी रूप में प्रस्तुत किया।